पाठ 15. परमवीर सेनानी

पाठ का उद्देश्य

जब अध्यापक/अध्यापिका इस पाठ को कक्षा में पढ़कर सुनाएँगे तो इससे बच्चों के श्रवण–कौशल का विकास होगा। अब्दुल हमीद की कहानी सुनकर उनमें देशप्रेम की भावना जागेगी। वे अपने जीवन में हिम्मत और साहस के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। जीवन में कुछ करने का दृढ़ संकल्प उनमें जागेगा। अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने से उनका भाषा–ज्ञान बढ़ेगा तथा अपने शब्दों में उत्तर देने से उनकी रचनात्मकता का विकास होगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को शुद्ध उच्चारणसहित पाठ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के बाद उनसे पाठ से संबंधित प्रश्न पूछें।
- प्रश्न का उत्तर बताने के लिए वे अपने मित्रों से चर्चा भी कर सकते हैं।
- बच्चों के द्वारा उत्तर देने पर उनका उत्साहवर्धन करें।

इस गतिविधि में पाठ सुनने तथा प्रश्नों के उत्तर देने से उनकी भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। मित्रों के साथ चर्चा करने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।